अंग्रेजी
हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी

रचनात्मक आकलन और भाषा शिक्षण

भारत में विद्यालय समर्थित
शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12/1/16
पुस्तक भवन, बी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रक्रिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी - केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त, सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीयकरण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियों संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है*)*। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE13v1
Madhya Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

मैं अपने विद्यार्थियों की अंग्रेजी में प्रगति का आकलन करने के विभिन्न तरीके इस्तेमाल करना चाहती हूँ। लेकिन इतने सारे विद्यार्थियों और अपर्याप्त समय के कारण यह काम कठिन हो रहा है। साथ ही मैं कक्षा में बोलने और सुनने की अधिक गतिविधियों का उपयोग कर रही हूँ और मुझे पता नहीं है कि मैं इन कौशलों का आकलन कैसे करूँ। मैं विद्यार्थियों के भाषा सीखने का आकलन और सीखने में उनकी सहायता कैसे कर सकती हूँ?

यह इकाई निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से विद्यार्थियों के भाषा सीखने में सहायता करेगी । इस तरह का आकलन सतत होता है और सारे स्कूली वर्ष के दौरान नियमित रूप से किया जाता है। निर्माणात्मक आकलन का मतलब है प्रत्येक विद्यार्थी से विविध प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से जानकारी एकत्र करना जो उनके सीखने और प्रगति का आकलन करने में मदद करती है। इसलिए इससे आपको उन विद्यार्थियों को पहचानने में जो कठिनाई में हैं और उनकी सहायता करने के लिए अध्यापन को समायोजित करने में मदद मिलेगी। इसी तरह यह उन विद्यार्थियों को पहचानने का अवसर देगी जो अच्छा काम कर रहे हैं और उनकी प्रगति के लिए चुनौतीपूर्ण शिक्षण अवसर प्रदान कर सकेंगे और भिन्न प्रकार की शिक्षण सामग्रियों का उपयोग कर सकेंगे। निर्माणात्मक आकलन को Right to Education Act 2009 द्वारा पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है जो विद्यार्थी का चौतरफा विकास सुनिश्चित करता है।

यह इकाई दर्शाती है कि नियमित अंग्रेजी कक्षा अध्यापन के दौरान आप अंग्रेजी का आकलन कैसे कर सकते हैं। यह विभिन्न भाषा कौशलों का आकलन करने के बारे में कुछ अवधारणाएं प्रदान करती है: पढ़ना, सुनना, बोलना और लिखना। इसमें बड़ी कक्षाओं ये निर्माणात्मक आकलन का प्रबंधन कैसे करें इसके लिए कुछ सुझाव भी हैं।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- नियमित कक्षा अध्यापन के दौरान भाषा सीखने का आकलन कैसे करें।
- विद्यार्थियों के अंग्रेज़ी पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने के कौशलों का मूल्यांकन कैसे करें।

निर्माणात्मक आकलन पर क्यों विचार करना चाहिए

कई शिक्षक अपने विद्यार्थियों की अंग्रेजी में निपुणता का आकलन परीक्षाओं के माध्यम से करते हैं जो वार्षिक स्कूल कैलेंडर में नियमित रूप से संचालित की जाती हैं, और स्कूली वर्ष के अंत में एक अंतिम (फाइनल) परीक्षा होती है। परीक्षाएं इस बारे में जानकारी एकत्र करने का अच्छा तरीका हो सकती हैं कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, लेकिन वे आपके अध्यापन को प्रभावशाली बनाने में कम उपयोगी होते हैं।

सभी शिक्षकों को सारे वर्ष विद्यार्थियों की अंग्रेजी शिक्षा और प्रगति को सुधारने की चिंता और रुचि होती है। ऐसा करने के लिए आपको सारे स्कूली वर्ष के दौरान निर्माणात्मक आकलन करने की जरूरत होगी जो सतत चलता रहने वाला आकलन होता है। इसका अर्थ है शिक्षण के निदान, उपचारात्मक कार्यवाही और समृद्धि के लिए नियमित कक्षा अध्यापन के दौरान प्रत्येक विद्यार्थी की प्रगति का आकलन करना। इसमें शामिल है:

- सामान्य कक्षा गतिविधियाँ करते समय विद्यार्थियों की निगरानी (observation) करना और इसके बाद नोट्स बनाना
- कक्षा और/या गृहकार्य के आबंटनों को ग्रेड करना और इन के रिकार्ड रखना
- विद्यार्थियों के कार्य (लिखित, कला, परियोजनाएं आदि) के नमूने पोर्टफ़ोलियो में रखना
- लघु अनौपचारिक परीक्षाएं लेना और ग्रेडों का रिकार्ड रखना।

इस प्रकार का आकलन यह समझने में आपकी मदद करेगा कि विद्यार्थी अंग्रेजी के कई अलग-अलग क्षेत्रों में कितना अच्छा कर रहा है। इससे आपको यह देखने में भी मदद मिलेगी कि विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से क्या कठिनाइयाँ हो रही हैं, ताकि आप उनके कौशलों और चिंतन को विकसित करने वाली गतिविधियों की योजना बना सकें।

1 कक्षा के नियमित अध्यापन में भाषा सीखने का आकलन

कक्षा में नियमित अध्यापन के दौरान विद्यार्थियों का आकलन संभव है। जब वे सामान्य कार्य और गतिविधियाँ करते हैं तब आप उनका ऑबजर्वेशन कर सकते हैं। यहाँ ऐसी गतिविधियों और उनका उपयोग करके जानकारी एकत्र करने के तरीकों के कुछ उदाहरण प्रस्तुत हैं जिनका उपयोग आप अपने विद्यार्थियों के आकलन के लिए कर सकते हैं। आप इनमें से कई गतिविधियों के बारे में अन्य इकाइयों में पढ़ सकते हैं।

- जब विद्यार्थी जोड़ियों में काम करते हैं – जैसे एक दूसरे से वाक्य लिखवाना, या रोल प्ले या साक्षात्कार जैसी बोलने की गतिविधियाँ करना – तब आप गतिविधि को सुन देख और उसके पहलुओं के बारे में नोट्स बना सकते हैं उदाहरण के लिए, उच्चारण के बारे में।
- पाठ को पढने या पाठ्यपुस्तक के नए अध्याय को शुरू करने से पहले, आप विद्यार्थियों से विषय के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं उदाहरण के लिए, कोई विवाह जिसमें वे सम्मिलित हुए थे या उनके पसंदीदा खिलाड़ी।
- जब भी आप सारी कक्षा से प्रश्न पूछते हैं या विद्यार्थियों को सुझाव देने के लिए आमंत्रित करते हैं तब आप देख सकते हैं कि कौन योगदान करता है और उसके द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा नोट कर सकते हैं।
- जब विद्यार्थी किसी पाठ पर प्रतिक्रिया करते हैं उदाहरण के लिए, बोध प्रश्नों के उत्तर देना और व्यक्तिगत रूप से जोड़ियों में या समूहों में काम करते हैं तब आप कक्षा में घूम सकते हैं और नोट कर सकते हैं कि प्रश्नों के साथ किसे कठिनाई हो रही है।
- कुछ नई शब्दावली या व्याकरण पढ़ाने के बाद आप शब्दों या व्याकरणात्मक संरचना के बारे में तात्कालिक लघु परीक्षा ले सकते हैं उदाहरण के लिए, विद्यार्थियों से वाक्यों के बीच के खाली स्थानों को भरने के लिए कहना।
- यदि विद्यार्थी शब्दावली लॉगबुक या साहित्यिक लॉगबुक बना रहे हैं, तो आप उन किताबों की समीक्षा करके उन्हें ग्रेड कर सकते हैं।
- विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रोजेक्ट वर्क को आप व्यक्तिगत रूप से या समूहों में ग्रेड कर सकते हैं उदाहरण के लिए विज्ञापन को डिजाइन करना, कक्षा का अखबार लिखना या किसी टीवी कार्यक्रम का प्रकरण लिखना।
- जब विद्यार्थी सुनने की गतिविधि करते हैं – जैसे निर्देशों को सुनना और चित्र बनाना, उनके द्वारा सुने गए गद्यांश के बारे में प्रश्नों का उत्तर देन, या किसी पाठ का सारांश लिखना – आप कमरे में घूम सकते हैं और देख सकते हैं कि कौन जूझ रहा है और कौन अच्छा कर रहा है। आप पूरे किए गए काम को ग्रेड कर सकते हैं।

इससे पता चलता है कि ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप अपने सामान्य अध्यापन के दौरान विद्यार्थियों का आकलन कर सकते हैं – आपको विद्यार्थियों का आकलन करने के लिए अतिरिक्त अभ्यास और गतिविधियाँ शामिल करने की जरूरत नहीं है। विविध प्रकार के सामान्य अभ्यासों और गतिविधियों के उपयोग से सुनिश्चित होता है कि भाषा सीखने के सभी पहलुओं का आकलन करते हैं– शब्दावली और व्याकरण के साथ सुनना, पढ़ना, बोलना और लिखना।

आपको लगेगा कि विद्यार्थियों के साथ निर्माणात्मक आकलन करना कठिन है। लेकिन हर कक्षा में हर विद्यार्थी पर ध्यान देना जरूरी नहीं है – आप किसे प्रतिक्रिया देंगे और हर बार किन विभिन्न विद्यार्थियों का काम लेगें यह आप बारी बारी से कर सकते हैं। विद्यार्थी स्वयं अपने या एक दूसरे के काम का आकलन भी कर सकते हैं। संसाधन 1 में आगे के सुझाव हैं कि बड़ी कक्षाओं को पढ़ाते समय आप प्रत्येक विद्यार्थी के बारे में जानकारी कैसे एकत्र कर सकते हैं।

जानकारी और सबूत एकत्र करने और दर्ज कर लेने के बाद उसकी व्याख्या करना महत्वपूर्ण होता है ताकि इस समझ पर पहुँचा जा सके कि प्रत्येक विद्यार्थी कैसे सीख और प्रगति कर रहा है। फिर आपको अपनी खोज पर कार्रवाई करके शिक्षण को सुधारना होगा जिसके लिए आप विद्यार्थियों को प्रतिक्रिया दे सकते हैं या नए संसाधन खोज सकते हैं या समूहों को पुनर्व्यवस्थित कर सकते हैं या किसी शिक्षण बिंदु को दोहरा सकते हैं। उदाहरण के लिए यदि आपने देखा है कि कुछ विद्यार्थियों को अंग्रेजी के किसी क्षेत्र के साथ समस्या हो रही है (जैसे भूतकाल का प्रयोग) तो आप उन विद्यार्थियों को भविष्य के पाठों में कालों का उपयोग करने के लिए अतिरिक्त अभ्यास दे सकते हैं।

निर्माणात्मक आकलन विशिष्ट और विभेदित सीखने की गतिविधियाँ स्थापित करके प्रत्येक विद्यार्थी को सीखने के सार्थक अवसर प्रदान करने में आपकी मदद कर सकता है जिसमें उन विद्यार्थियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें अधिक मदद चाहिए और अधिक उन्नत विद्यार्थियों को चुनौती दी जाती है। अधिक जानकारी के लिए नीचे दिया गया वीडियो देखें और संसाधन 2, 'प्रगति और कार्य-निष्पादन का आकलन करना' देखें।

वीडियो: प्रगति और प्रदर्शन का आकलन करना

केस–स्टडी 1: श्री तोमर कक्षा के नियमित अध्यापन के दौरान अपने विद्यार्थियों का आकलन करते हैं

श्री तोमर एक सरकारी हाईस्कूल में कक्षा 10 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। उन्होंने अपने स्थानीय DIET में आकलन पर एक प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया और निर्माणात्मक आकलन के लाभ के बारे में सीखा। उन्होंने अपने विद्यार्थियों की अंग्रेजी में प्रगति का रिकार्ड (नोट्स और ग्रेड) रखने के लिए एक नोटबुक खरीदने का निश्चय किया।

अपनी नोटबुक खरीदने के बाद मैंने अपने सभी विद्यार्थियों के नाम लिखे और हर एक के बारे में नोट्स बनाने लगा। शुरू में मैंने पाया कि मेरे नोट्स प्रायः समान विद्यार्थियों के बारे में ही होते थे। इससे मुझे पता चला कि मैं नहीं देख रहा था कि मेरी कक्षा के कुछ विद्यार्थी कैसा काम कर रहे हैं, विशेष रूप से कमरे के पीछे की ओर बैठने वाले शांत छात्र। नोटबुक ने मुझे बताया कि मुझे कक्षा के सभी सदस्यों के बारे में पता लगाना शुरू करने की जरूरत है।

मैं यह देखने के लिए अधिक प्रयास करने लगा कि कक्षा में हर कोई कैसे काम कर रहा है। आपको मैं एक उदाहरण देता हूँ। हाल ही में मेरे विद्यार्थी कुछ बोध प्रश्नों के उत्तर जोड़ियों में लिख रहे थे [संसाधन 3 की गतिविधि देखें]। जब वे अपने उत्तरों पर चर्चा करने और लिखने लगे तो मैं एक जोड़ी के पास गया और उनकी चर्चा को सुनने लगा। ऐसा लगा कि उन्हें उत्तर की अच्छी अवधारणा है इसलिए मैं दूसरी जोड़ी के पास गया। इस बार यह स्पष्ट था कि एक छात्र रमेश को इस प्रश्न के साथ कठिनाई हो रही थी: 'Anne says teachers are most unpredictable. Is Mr Keesing unpredictable? How?'

> तुम्हें कुछ परेशानी है, रमेश?

> मुझे शब्द 'unpredictable' समझ में नहीं आ रहा है। इसका क्या मतलब है?

> इसका मतलब है आप नहीं जानते कि कोई आगे क्या करने जा रहा है। चलिए देखते हैं कि शिक्षक क्या करता है ... वह सबसे पहले मतलब करता है?

> मुझे नहीं पता। 'assigned' का क्या मतलब है?

मैंने वे शब्द और वाक्य समझाए जो रमेश को प्रश्न का उत्तर देने से रोक रहे थे। फिर मैं अपनी डेस्क पर लौटा और अपनी नोटबुक में उसके बारे में और इस विषय में एक नोट लिखा कि मैं भविष्य में उसकी सीखने की प्रक्रिया में कैसे सहायता कर सकता हूँ [तालिका 1]।

*तालिका **1** रमेश की सीखने की प्रक्रिया पर श्री तोमर के नोट्स।*

नाम	तारीख	गतिविधि	टिप्पणी/ग्रेड
रमेश	09/04	अध्याय 4 – पढ़ने का अभ्यास	पाठ के बारे में प्रश्नों का उत्तर देने के साथ कठिनाई होती है – शब्दावली को समझने में कुछ समस्याएं हुई। क्या उसके पढ़ने के लिए अधिक सरल पाठों की खोज करनी होगी?

मैं हर विद्यार्थी के बारे में नहीं लिख सकता लेकिन जब संभव होता है तब मैं नोट्स बनाता हूँ और सत्र के साथ-साथ धीरे-धीरे मुझे प्रत्येक विद्यार्थी की बेहतर समझ होने लगी है। उदाहरण के लिए मैं देख सकता हूँ कि रमेश को किताब में पाठों को समझने में प्रायः समस्या होती है। यह देखने के लिए कि उसके पढ़ने के कौशलों को सुधारने में मैं उसकी कैसे मदद कर सकता हूँ मैं उससे बात करने की योजना बना रहा हूँ। उदाहरण के लिए शायद वह घर पर मेरे द्वारा उसके लिए पहचाने गए कुछ अधिक सरल पाठ पढ़ सकता है या संभव है मैं उसकी जोड़ी अनीता के साथ बना सकता हूँ जो उसकी मित्र है और पढ़ने में उससे बेहतर है, ताकि वह उसकी मदद कर सके।

नोटबुक का उपयोग शुरू करने के बाद से मैंने पाया है कि मैं अपनी कक्षा के हर विद्यार्थी के बारे में अधिक सीख रहा हूँ। कभी-कभी मैं विद्यार्थियों से वे प्रश्न पूछता हूँ जो मैं पहले नहीं पूछता था क्योंकि मैं जानना चाहता हूँ कि वे सभी कैसे पढ़ रहे हैं। मेरा खयाल है इससे विद्यार्थियों को अंग्रेजी सीखने में भी मदद मिल रही है। उदाहरण के लिए मुझे नहीं लगता कि पहले मैं रमेश की बहुत ज्यादा मदद करता था। ईमानदारी से कहूँ तो मुझे पता नहीं था कि उसे पढ़ने में कठिनाई हो रही थी। अब मुझे आशा है कि मैं उसके पढ़ने के कौशलों को सुधारने में उसकी मदद कर सकता हूँ।

अचरज की बात है कि मुझे पता चला कि नोटबुक का उपयोग करने से मुझे अन्य फायदे भी हुऐ जैसे विश्लेषण करना कि हर विद्यार्थी क्या कर सकता है या उसे क्या कठिन लगता है इत्यादि। इससे मुझे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को पक्की प्रतिक्रिया देने में मदद मिलती है ताकि हर एक को इस बात का बेहतर बोध मिल सके कि क्या चीज विद्यार्थी अच्छी तरह से करते हैं और किस चीज पर उन्हें मेहनत करने और सुधार

करने की जरूरत है। विद्यार्थियों के सीखने के बारे में जानकारी को एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने से मुझे अध्यापन पद्धतियों और मेरे द्वारा प्रयुक्त सामग्रियों पर विचार करने का अवसर मिला और मुझे यह सोचने पर मजबूर किया है कि मैं विद्यार्थियों को अधिक आसान और बेहतर ढंग से कैसे पढ़ा सकता हूँ ताकि उनमें से हर एक सीख सके।

गतिविधि 1रू कक्षा में आजमाएं दृ रिकार्ड रखने के लिए डायरी का उपयोग करना

कोई भी शिक्षक कार्य-प्रदर्शन के रिकार्ड और विद्यार्थियों के बारे में ग्रेड रखने के लिए नोटबुक या डायरी का उपयोग कर सकता है। यदि आप पहले से रिकार्ड नहीं रखते हैं तो एक डायरी शुरू करें जिसमें आप विद्यार्थियों के बारे में नियमित नोट्स लिख सकते हैं और उनके ग्रेडों के रिकार्ड रख सकते हैं। जब आप रिकार्ड रखते हैं तो सोचें कि आप हर विद्यार्थी की उसके सीखने में सहायता कैसे कर सकते हैं। यदि कोई विद्यार्थी अच्छा कर रहा है तो आप उसे कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं और ऐसा काम दे सकते हैं जिससे वह सीखना जारी रख सके? यदि विद्यार्थी को कठिनाई हो रही है तो आप उसकी सहायता कैसे करेंगे?

अपनी डायरी कम से कम एक महीने तक रखें और इन प्रश्नों का उत्तर दें:

- सप्ताह 1 के बाद– आपकी नोटबुक का उपयोग करना कितना आसान है? यदि यह कठिन है तो प्रक्रिया को अधिक आसान बनाने के लिए आप क्या परिवर्तन कर सकते हैं? कम नोट्स बनाने, हर कक्षा में कम विद्यार्थियों का प्रेक्षण करने, टिप्पणियों की सरल सूची का उपयोग करने या नोट्स के लिए संख्याओं या चित्रों जैसे संकेतों का उपयोग करें (उदाहरण के लिए, ☺, ☹)
- सप्ताह 2 के बाद– क्या ऐसे कोई विद्यार्थी हैं जिनके रिकार्ड आपके पास नहीं हैं? कौन से? अगले सप्ताह इन विद्यार्थियों करने को observe करें या उनके पास से कुछ काम लें। उनके नोट्स या ग्रेडों को अपनी नोटबुक में जोड़ें।
- सप्ताह 3 के बाद– अपनी नोटबुक पर नज़र डालें। कौन से विद्यार्थी (आपके नोट्स और ग्रेडों के अनुसार) कठिनाई महसूस करते लग रहे हैं? उन्हें किस चीज से कठिनाई हो रही है? (उदाहरण के लिए पढ़ना, शब्दावली, व्याकरण।) आप उनकी सहायता कैसे कर सकते हैं? आप अपने अध्यापन में आप क्या परिवर्तन करेंगे जिससे उन्हें बेहतर सीखने में मदद मिल सकती है?

विद्यार्थियों को कई विभिन्न कारणों से कठिनाई होती है। यह पता लगाने के लिए विद्यार्थी से बात करना महत्वपूर्ण है कि उसे क्या समस्या है ताकि आप मदद करने के तरीके सोच सकें। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि आप उनके काम के बारे में स्पष्ट और सरल कार्यवाही बिंदुओं में प्रतिक्रिया प्रदान करें ताकि विद्यार्थी जान सके कि सुधार करने के लिए उसे क्या उपाय करने होंगे। इससे आपको विद्यार्थी की मदद करने के तरीकों की योजना बनाने में भी मदद मिलेगी। शायद आप उन्हें घर पर करने के लिए अतिरिक्त अभ्यास दे सकते है ।या कक्षा में करने के लिए कोई अलग अभ्यास दे सकते हैं। विद्यार्थी कक्षा में किसी अन्य विद्यार्थी के साथ काम कर सकता है जो उसकी मदद कर सके।

आपके विद्यार्थियों के बारे में रिकार्ड रखने के लिए डायरी का उपयोग करने का उद्देश्य है उस तरीके का पता लगाना जो आप और आपके विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त है।
यदि आपके पास बहुत सारे विद्यार्थी हैं तो उन सभी के बारे में हर सप्ताह ढेर सारे नोट्स बनाना संभव नहीं होगा। आपको यथार्थवादी होना पड़ेगा! अपने सभी विद्यार्थियों के बारे में एक समयावधि (उदाहरण के लिए एक सत्र) में नोट्स प्राप्त करने का प्रयास करें। यह सुनिश्चित करें कि आप विद्यार्थियों और उनके मातापिता को सूचित कर पाएँ कि वे कैसे काम कर रहे gSaA blls वे अपनी शक्तियों और कमजोरियों के प्रति सजग रहेगे और सुधार करने के लिए कदम उठा सकेंगे।

यह काम करने के बारे में अधिक जानने के लिए, पढ़ें संसाधन 4, 'मॉनीटरिंग और प्रतिक्रिया देना'।

वीडियो: मॉनीटरिंग और फीडबैक देना

2 विद्यार्थियों के अंग्रेज़ी पढ़ने और सुनने के कौशलों का मूल्यांकन कैसे करें

पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन करना कठिन हो सकता है। जब विद्यार्थी अंग्रेजी में बोलते या लिखते हैं, तब वे जो कहते हैं आप उसे सुन सकते हैं या वे जो लिखते हैं उसे पढ़ सकते हैं। जब वे अंग्रेजी पढ़ते या सुनते है तब यह जानना कठिन होता है कि वे क्या समझ रहे हैं। तालिका 2 ऐसी कुछ गतिविधियाँ दर्शाती है जिन्हें आप इस बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए कर सकते हैं कि आपके विद्यार्थियों ने पाठ को

पढ़ते या सुनते समय क्या समझा है। ये गतिविधियाँ कक्षा में नियमित अध्यापन के दौरान या निर्माणात्मक आकलन का हिस्सा बनने वाली अनौपचारिक परीक्षाओं के रूप में की जा सकती हैं।

*तालिका **2** आपके विद्यार्थी अंग्रेजी में जो कुछ समझते हैं उसका आकलन करना।*

गतिविधि	उदाहरण
बोध प्रश्न	विद्यार्थी अंग्रेजी में किसी गद्यांश को सुनते या पढ़ते हैं और उसके बारे में प्रश्नों के उत्तर देते हैं। आप पाठ्यपुस्तकों के प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं। खुद अपने लिख सकते हैं। या विद्यार्थियों से प्रश्न लिखने को भी कह सकते हैं। प्रश्न और उत्तर अंग्रेजी में या स्थानीय भाषा में हो सकते हैं। यह उन विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है जो पाठों को अच्छी तरह से पढ़ या सुन सकते हैं लेकिन अंग्रेजी में लिखने में कठिनाई महसूस करते हैं। यदि वे स्थानीय भाषा में लिख सकते हैं तो वे कह सकते हैं कि उन्होंने समझ लिया है। यह विद्यार्थियों द्वारा पढ़ना या लिखना शुरू करने से पहले प्रश्नों की समीक्षा करने के लिए उपयोगी हो सकता है, जिससे वे जान लें कि उन्हें खोजने या सुनने के लिए क्या चाहिए।
सारांश लिखना	विद्यार्थी अंग्रेजी में गद्यांश सुनते या पढ़ते हैं और उन्होंने जो कुछ समझा है उसके बारे में सारांश लिखते हैं। इसे स्थानीय भाषा में लिखा जा सकता है ताकि आप विद्यार्थी के लेखन कौशलों का नहीं बल्कि इस बात का आकलन करते हैं कि क्या उन्होंने जो कुछ सुना या पढ़ा है उसे समझ लिया है। आप विद्यार्थियों को सुनते या पढ़ते समय नोट्स लेने को प्रोत्साहित कर सकते हैं। वे इन नोट्स का उपयोग सारांश लिखने के लिए कर सकते हैं।

गतिविधि	उदाहरण
चर्चाएं	विद्यार्थी उस चीज के बारे में बातचीत कर सकते हैं या लिख सकते हैं जिसे उन्होंने पाठ में रोचक या आनंददायक पाया था। यह supplimentary readers के पाठों के साथ खास तौर पर उपयोगी हो सकता है। वे अंग्रेजी में या स्थानीय भाषा में चर्चा कर सकते हैं, क्योंकि ऐसा करने का प्रयोजन यह पता लगाना है कि उन्होंने क्या समझा है।

कुछ शिक्षक ऊँची आवाज में पढ़ने को विद्यार्थियों के पठन कौशलों का आकलन करने के तरीके के रूप में इस्तेमाल करते हैं। परन्तु इस तकनीक का इस प्रयोजन के लिए उपयोग करने के साथ कुछ समस्याएं होती हैं क्योंकि इससे आपको वास्तव में पता नहीं चलता कि आपके विद्यार्थियों ने गद्यांश के बारे में कितना समझा है। वास्तव में यह विद्यार्थियों के उच्चारण कौशलों की परीक्षा अधिक है।

कुछ शिक्षक विद्यार्थियों से बोलने, सुनने और लिखने का अभ्यास करवाने के लिए dictation का उपयोग करते हैं। इनकी जाँच और ग्रेड करना आसान होता है और विद्यार्थी स्वयं अपने और एक दूसरे के काम को जाँच सकते हैं। पर श्रुतलेखों में विद्यार्थी प्रायः जो कुछ कहा जाता है उसके अर्थ पर ध्यान नहीं देते हैं इसलिए सुनिश्चित करें कि आप अन्य गतिविधियाँ भी करें यदि आप अपने विद्यार्थियों के सुनने के कौशलों की अच्छी अवधारणा पाना चाहते हैं।

विद्यार्थियों के पढ़ने और सुनने की क्षमताओं का बोध पाने के लिए जितने हो सकें उतने भिन्न पाठों के साथ विविध प्रकार की गतिविधियाँ करना सबसे अच्छा होगा। ये पाठ पाठ्यपुस्तक, supplimentary readers या किसी भी अन्य स्त्रोत जैसे कहानी या अखबार का लेख से लिए जा सकते हैं। सुनने के लिए आप इनमें से किसी का भी एक लघु खंड पढ़ सकते हैं। यदि आपको रेडियो या स्पीकर वाला मोबाइल फोन उपलब्ध हो तो आप ऑडियो रिकार्डिंग बजा सकते हैं। जब भी कभी आप ऐसी कोई गतिविधि करें तब विद्यार्थियों को पाठ को पढ़ने के लिए बहुत सारा समय दें और विद्यार्थियों को गद्यांशों को एक से अधिक बार सुनने दें।

गतिविधि 2 कक्षा में आजमाएं दृ विद्यार्थियों के सुनने और पढ़ने के कौशलों का आकलन करने की योजना बनाना

उपरोक्त पाठ में आपने विविध प्रकार की तकनीकों के बारे में पढ़ा जिनका उपयोग आप कक्षा में अपने नियमित अध्यापन में विद्यार्थियों के पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन करने के लिए कर सकते हैं जैसे सारांश लिखना, श्रुतलेख आदि। नीचे दी गई तालिका की प्रतिलिपि बनाएं और अगले महीने में आप तकनीकों का उपयोग कैसे करने जा रहे हैं उसमें भरें। आपको संसाधन 5 में उदाहरणों के साथ एक भरी हुई तालिका मिलेगी।

*तालिका **3** सुनने और पढ़ने के कौशलों का आकलन करने के लिए एक फार्म।*

कक्षा और अध्याय	

सप्ताह	गतिविधि	मैं इस गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों का आकलन किन तरीकों से करूँगा?	तदनुसार मैं अपने अध्यापन को कैसे संशोधित करूँगा?
1			
2			
3			
4			

विचार कीजिए

अपनी योजना का अनुसरण एक महीने तक कर लेने के बाद इन प्रश्नों का उत्तर दें। हो सके तो अपने किसी साथी शिक्षक के साथ उन पर चर्चा करें।

- वे विभिन्न तरीके क्या थे जिनसे आपने अपने विद्यार्थियों के पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन किया? क्या आप अपने सभी विद्यार्थियों के पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन कर सके?
- अवलोकन और नोट्स ने विद्यार्थियों के सीखने तथा पढ़ने और सुनने में प्रगति में सहायता करने में आपकी मदद कैसे की?
- क्या आपने विद्यार्थियों को फीडबैक दिया? क्या इसने सुधरने में उनकी मदद की?

यदि आपकी कक्षा बड़ी है तो एक महीने की अवधि में आपके सभी विद्यार्थियों का आकलन करना बहुत कठिन हो सकता है। आपकी डायरी यह देखने में आपकी मदद करेगी कि किन विद्यार्थियों का अवलोकन आपने नहीं किया। जितने हो सकें उतने करें और सुनिश्चित करें कि हर बार समान विद्यार्थियों पर केंद्रित न रहें। विद्यार्थियों को जोड़ी या समूह कार्य मे एक दूसरे का आकलन करने में और स्व-आकलन में शामिल करना भी संभव हो सकता है।

आपके अवलोकन यह देखने में मदद करेंगे कि किन विद्यार्थियों को मदद चाहिए और अपने अध्यापन को तदनुसार नियोजित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए शायद कुछ विद्यार्थियों ने श्रुतलेख में बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन शब्दों या व्याकरण बिंदुओं पर ध्यान दे सकते हैं जिनमें उन्हें कठिनाई होती है। यह अवलोकन विद्यार्थियों को स्पष्ट फिडबैक के रूप में सूचित कर सकते हैं ताकि उन्हें अपनी शक्तियों और कमजोरियों की अच्छी जानकारी हो सके। सुनिश्चित करें कि विद्यार्थियों को पता हो कि वे क्या अच्छा कर रहे हैं और साथ ही यह कि किन क्षेत्रों में उन्हें सुधरने की जरूरत है। इस बारे में उन्हें स्पष्ट सुझाव दें कि वे सुधरने के लिए क्या कर सकते हैं।

यदि आप योजना बनाते हैं तौ विद्यार्थियों का आकलन अधिक आसान होगा। इस तरह आप देख सकते हैं कि आप क्या करने जा रहे हैं और कब और कैसे करने जा रहे हैं। यदि योजना सफल न हो तो एक और योजना बनाएं और कुछ अलग तकनीकें आजमाएं। देखें कि आप और आपकी कक्षा के लिए क्या उपयोगी है। महत्वपूर्ण बात है प्रयास करते रहना। उपरोक्त ढाँचे का उपयोग बोलने और लिखने के लिए आकलन की योजना बनाने के लिए भी कर सकते हैं।

3 विद्यार्थियों के अंग्रेज़ी बोलने के कौशल का आकलन कैसे करें

बोलना अंग्रेजी सीखने का प्रायः एक ऐसा क्षेत्र होता है जिसका आम तौर पर आकलन नहीं किया जाता है। परन्तु बोलना विद्यार्थियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण कौशल है और अंग्रेजी कक्षा में ऐसी गतिविधियों को शामिल करना महत्वपूर्ण है जो विद्यार्थियों को अंग्रेजी में बोलने के लिए अवसर प्रदान करती हैं। वे कोई कहानी सुनाना, रोल प्ले, कोई साक्षात्कार या चर्चा हो सकते हैं। बोलने की गतिविधियों का आकलन आपको अपने विद्यार्थियों की अंग्रेजी में प्रगति, उन्होंने क्या सीखा है, वे अंग्रेजी में कितने आत्मविश्वास के साथ बोल सकते हैं, या क्या उन्हें अंग्रेजी में बोलने में दिक्कत हो रही है इस बारे में बता सकता है।

विचार कीजिए

जब आप अगले प्रश्नों का उत्तर दें तब अपने विद्यार्थियों और कक्षा के बारे में सोचें। हो सके तो अपने किसी साथी शिक्षक के साथ उन पर चर्चा करें।

- क्या आपने कभी अपने विद्यार्थियों के बोलने के कौशलों का आकलन किया है? आपने यह कैसे किया? क्या आपको कोई कठिनाई हुई?
- यदि आपने विद्यार्थियों के बोलने के कौशलों का कभी आकलन नहीं किया है तो आपके विचार से उसे कैसे करेंगे? आपके विचार से इसमें क्या कठिनाइयाँ हो सकती हैं?
- क्या आप सोचते हैं कि बोलने के कौशलों का आकलन करते समय किसी अन्य भाषा संबंधी कौशल का आकलन किया जा सकता है?

अब अपने विचारों की तुलना उससे करें जो कुछ शिक्षक बोलने का आकलन करने के लिए करते हैं। क्या इनमें से कई अवधारणाएं आप और आपके विद्यार्थियों के लिए संभव हैं? जो संभव हैं उन्हें नोट करें।

मैं विद्यार्थियों को तब सुनता हूँ जब वे जोड़ी में कार्य गतिविधियों के दौरान बातचीत करते हैं और अपने मन में अनौपचारिक नोट्स रखता हूँ। फिर जब मेरे पास समय होता है मैं उन्हें अपनी नोटबुक में लिख लेता हूँ।

मैं विद्यार्थियों से कहता हूँ कि बोलना उनके समग्र आकलन का हिस्सा है और मैं कुछ बोलने की गतिविधियों के लिए ग्रेड देती हूँ उदाहरण के लिए वादविवाद या रोल प्ले। इससे वे समझ जाते है कि बोलना कितना महत्वपूर्ण है। जहाँ मैं बोलने की गतिविधियों को ग्रेट देती हूँ, वहाँ विद्यार्थियों को पहले से आगाह कर देती हूँ। उस तरह वे तैयारी और अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन कर सकते हैं। यही न्यायोचित है!

मैं कभी-कभार विद्यार्थियों को कक्षा के सामने जोड़ियों में बुलाता हूँ और फिर उनकी एक छोटी सी बोलने की परीक्षा लेता हूँ – उदाहरण के लिए मैं उन्हें किसी चित्र का वर्णन करने को कहता हूँ। हर जोड़ी को केवल दो मिनट मिलते हैं और वे एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। इस दौरान में मैं सभी विद्यार्थियों की परीक्षा लेने का प्रयास करता हूँ।

कभी-कभी बोलने की गतिविधि के बाद मैं विद्यार्थियों से कुछ प्रश्नों के बारे में सोचने को कहता हूँ। क्या उन्होंने जितना उनसे हो सका बोला? क्या उन्हें व्याकरण या शब्दावली के साथ समस्याएं हुई? अपने बोलने के कौशलों को सुधारने के लिए वे क्या कर सकते हैं? मैंने उन्हें किस प्रकार की प्रतिक्रिया दी ताकि वे सुधार कर सकें? क्या मेरी प्रतिक्रिया उपयोगी थी? कभी-कभी हम इस पर मिलकर चर्चा करते हैं।

बोलने के कौशलों का आकलन करने के लिए आप किसी भी बोलने की गतिविधि का उपयोग कर सकते हैं विशेष रूप से वे गतिविधियाँ जहाँ विद्यार्थी स्वयं या किसी दिलचस्प विषय के बारे में बातचीत करते हैं। पाठ को ऊँची आवाज में पढ़ने जैसी गतिविधियाँ बोलने के कौशलों का आकलन करने के लिए अधिक उपयोगी नहीं होती क्योंकि ये गतिविधियाँ बोलने के केवल एक पहलू,उच्चारण, का आकलन करती हैं। वे बोलने के अन्य पहलुओं पर विचार नहीं करती हैं जैसे आश्वस्त होकर और धाराप्रवाह बोलना, गतिविधियों में भाग लेना, शब्दावली और व्याकरण का सटीक उपयोग करना इत्यादि।

बोलने की गतिविधियों में विद्यार्थी प्रायः प्रदर्शित करते हैं कि उन्होंने पढ़ने या सुनने की गतिविधि से क्या सीखा है। इसलिए बोलने का आकलन करते समय ध्यान में रखें कि आप प्रायः उसी के साथ अन्य कौशलों का आकलन कर रहे हैं।

केस-स्टडी 2: श्रीमती फातिमा बोलने की गतिविधि के दौरान अपने विद्यार्थियों का आकलन करती हैं

श्रीमती फातिमा एक गैर-अंग्रेजी माध्यम सरकारी हाई स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाती हैं। पिछली बार जब उन्होंने अपने विद्यार्थियों के बोलने के कौशलों का आकलन किया था वे उसके बारे में बता रही हैं।

मेरी कक्षा अंग्रेजी में एक साक्षात्कार कर रही थी। वे चार के समूहों में काम कर रहे थे [देखें चित्र 1]। दो समूहों के पास लिखित प्रश्न थे और वे पत्रकारों की भूमिका कर रहे थे; अन्य दो बारी बारी से साक्षात्कार करवाने वाले की भूमिका कर रहे थे (इस बार, एक मशहूर फिल्म स्टार)।

चित्र **1** रोल प्ले गतिविधि में भाग लेते समय अपने विद्यार्थियों का आकलन करतीं श्रीमती अग्रवाल ।

इस बार मैंने केवल दो समूहों को सुनने और उनका आकलन करने का निश्चय किया। पिछली बार मैंने अन्य विद्यार्थियों पर ध्यान दिया था, और अगली बार मैं कुछ अलग विद्यार्थियों पर ध्यान दूँगी।

मैं अपनी कक्षा के लिए एक डायरी रखती हूँ, और उसमें मैं नोट्स बनाती हूँ और अपने विद्यार्थियों के काम और ग्रेडों के रिकार्ड रखती हूँ। मेरी डायरी का एक हिस्सा बोलने के कौशलों से संबंधित है, जिसमें एक ग्रिड नाम, तारीख और गतिविधि का प्रकार, और फिर बोलने के विभिन्न पहलू दिखाती है [देखें तालिका 4]।

*तालिका **4** श्रीमती फातिमा की डायरी में उनके विद्यार्थियों के काम की निगरानी करने के लिए एक ग्रिड।*

नाम	तारीख और गतिविधि	सहभागिता	आश्वस्त होकर और बिना हिचक बोलना (वाक्पटुता)	व्याकरण का सटीक उपयोग (सटीकता)	शब्दावली का उपयोग	उच्चारण

जब मेरे विद्यार्थी बोलने की गतिविधि करते हैं तब मैं उनके पास खड़ी होती हूँ, सुनती हूँ और नोट्स बनाती हूँ [देखें तालिका 5]।

*तालिका **5** श्रीमती फातिमा की डायरी में उनके विद्यार्थियों के काम की निगरानी करने के लिए एक भरी हुई ग्रिड।*

नाम	तारीख और गतिविधि	सहभागिता	आश्वस्त होकर और बिना हिचक बोलना (वाक्पटुता)	व्याकरण का सटीक उपयोग (सटीकता)	शब्दावली का उपयोग	उच्चारण
राहुल	06.01.14 साक्षात्कार	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓
अंजू	06.01.14 साक्षात्कार	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓

आप देख सकते हैं कि मैं केवल सही का निशान लगाती हूँ। एक 'सही' का मतलब है विद्यार्थी को कठिनाई हो रही है; दो सही का मतलब है वे पर्याप्त हैं; तीन सही का मतलब है वे बहुत अच्छा कर रहे हैं। ग्रिड को बहुत जल्दी और आसानी से भरा जा सकता है। मैं विद्यार्थियों के बारे में ये अनौपचारिक रिकार्ड प्रत्येक विद्यार्थी की प्रगति की समझ पाने में मदद और उनके समग्र आकलन में योगदान करने के लिए करती हूँ। फिर मैं अपने नोट्स को विद्यार्थियों के साथ साझा करती हूँ ताकि उन्हें अपनी स्वयं की क्षमताओं का और उन्हें किस चीज पर ध्यान देना है इस बात का बोध हो सके।

गतिविधि 3: कक्षा में आजमाएं – विद्यार्थियों के बोलने के कौशलों का आकलन करने के लिए रिकार्ड शीट का उपयोग करना
केस स्टडी 2 में, श्रीमती फातिमा ने विद्यार्थियों के बोलने के कौशलों का अनौपचारिक रूप से आकलन करने के लिए रिकार्ड शीट का उपयोग किया, जिसे वे अपने विद्यार्थियों के साथ प्रतिक्रिया के रूप में साझा करती हैं। अपने विद्यार्थियों के लिए ऐसी ही ग्रिड बनाएं और अगली बार जब आपके विद्यार्थी बोलने की गतिविधि करें तब एक या दो समूहों के साथ उसे आजमाएं। आप केस स्टडी की तरह सही के निशानों का उपयोग कर सकते हैं या ग्रेड या टिप्पणियाँ जोड़ सकते हैं। अपने विद्यार्थियों को बताना न भूलें कि आप क्या कर रहे हैं और गतिविधि के बाद उनके साथ अपनी प्रतिक्रिया साझा करें।

विचार कीजिए

अपनी कक्षा में रिकार्ड शीट को आजमाने के बाद निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में सोचें:

- क्या रिकार्ड शीट उपयोग में आसान और उपयोगी थी? यदि नहीं तो उसे अधिक आसान और अधिक उपयोगी बनाने के लिए आप क्या परिवर्तन करेंगे?
- केस स्टडी में शिक्षक बोलने के सभी पहलुओं को समान महत्व देती हैं (उदा. वाक्पटुता, उच्चारण इत्यादि)। क्या यह आपकी कक्षा के लिए उपयोगी है? क्या आप कुछ पहलुओं को अधिक या कम महत्व देना पसंद करते हैं?
- आपके विद्यार्थियों ने प्रतिक्रिया का उत्तर कैसे दिया? क्या उन्हें यह प्रेरणादायक लगा?

ग्रिड में बेहिचक परिवर्तन करें। यदि वह उपयोग में कठिन है तो उसे सरल बनाएं और दोबारा प्रयास करें। यदि आपको लगता है कि एक क्षेत्र दूसरे जैसा महत्वपूर्ण नहीं है तो आप अधिक या कम सही के निशानों का उपयोग कर सकते हैं। महत्वपूर्ण बात है ऐसी ग्रिड का पता लगाना जो आप और आपके विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है और जो आपको अपने विद्यार्थियों के बोलने के कौशलों के बारे में जानकारी एकत्र करने देती है और उनके साथ सार्थक ढंग से साझा करने का अवसर देती है व उन्हें सुधार करने में मदद करती हैं।

4 विद्यार्थियों के अंग्रेज़ी लेखन कौशलों का मूल्यांकन कैसे करें

बोलने की तरह ही अंग्रेजी में लिखना भी केवल व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य बनाना ही नहीं है। पाठ लिखने में कई कौशलों का उपयोग होता है और विद्यार्थी मसौदे लिखने और अपने तथा एक दूसरे के काम की समीक्षा करने में कुछ समय व्यतीत कर सकते हैं।

गतिविधि 4 लिखित अंग्रेजी का आकलन
जब आप निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें तब अपने विद्यार्थियों और कक्षा के बारे में सोचें। हो सके तो अपने विचारों को किसी साथी शिक्षक के साथ साझा करें।

कल्पना करें कि विद्यार्थियों ने अंग्रेजी में कोई पाठ लिखा है जैसे स्कूल के समारोह के बारे में एक रिपोर्ट। कल्पना करें कि आपने अपने विद्यार्थियों के काम को एकत्र कर लिया है और अब आप उसका आकलन कर रहे हैं। आप किस बात के लिए अंक देंगे?

जब आप लिखित अंग्रेजी का आकलन करते हैं – विशेष तौर पर रिपोर्टों, रचनाओं, पत्रों जैसे अधिक लंबे पाठ – तब आप निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार कर सकते हैं:

- क्या पाठ उपयुक्त है? उदाहरण के लिए क्या विद्यार्थी ने स्थानीय स्कूल समारोह के बारे में रिपोर्ट लिखी है या क्या विद्यार्थी ने स्कूल का वर्णन सामान्य तौर पर कर किया है?
- क्या पाठ स्पष्ट और समझने में आसान है? क्या वह संगठित है और तर्कसंगत रूप से अनुक्रमित है?
- क्या शब्दावली काफी विस्तृत है? क्या शब्दों को प्रायः दोहराया गया है?
- क्या कोई स्पेलिंग या व्याकरण की गलतियाँ या विराम चिह्न की गलतियाँ हैं?
- क्या शैली पाठक के लिए उपयुक्त है? उदाहरण के लिए किसी समारोह के बारे में रिपोर्ट को तथ्यात्मक होना चाहिए साथ ही और वह पढ़ने में दिलचस्प भी होनी चाहिए।
- पाठ के बारे में क्या बात अच्छी है? इसमें दिलचस्प बात क्या है? क्या लेखक ने पाठ को पढ़ने वाले के बारे में सोचा है?

उपरोक्त सूची के अंतिम बिंदु पर ध्यान दें।यह कहना महत्वपूर्ण है कि किसी काम के बारे में अच्छी बात क्या है। इससे विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलता है और यह देखने में उनकी मदद करता है कि लिखने का क्या प्रयोजन है – पाठों को याद करने और उनकी नकल करने के साधन के रूप में नहीं बल्कि विचारों को व्यक्त करने और पाठक तक कोई संदेश पहुँचाने के लिए।

अब एक शिक्षक के बारे में एक केस स्टडी पढ़ें जिसने अपने कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिखित काम का अभी-अभी आकलन किया है, और देखें कि वह अपने विद्यार्थियों के काम को ग्रेड करने और अलग-अलग व्यक्तियों को प्रतिक्रिया देने के लिए उपरोक्त प्रश्नों के समान प्रश्नों का उपयोग कैसे करता है।

केस–स्टडी 3: श्री तोमर कक्षा 10 के लिखित काम का आकलन करते हैं

श्री तोमर एक सरकारी हाई स्कूल में कक्षा 10 को पढ़ाते हैं। उनकी कक्षा ने हाल ही में (First Flight, NCERT's Class X textbook) का अध्याय 4 पढ़ा। इस अध्याय में Anne Frank's diary से एक उद्धरण है। अध्याय के अंत में एक लिखने का अभ्यास है जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

> Now you know what a diary is and how to keep one. Can you keep a diary for a week recording the events that occur? You may share your diary with your class, if you wish to. Use the following hints to write your diary.

- Though your diary is very private, write as if you are writing for someone else.
- Present your thoughts in a convincing manner.
- Use words that convey your feelings, and words that 'paint pictures' for the reader.
- Be brief.

इस गतिविधि के लिए मैंने विद्यार्थियों से आने वाले सप्ताह में हर दिन घर पर 50 से 100 शब्द लिखने और अपनी भरी गई डायरी को एक सप्ताह के बाद लाने को कहा। उनके लिखना शुरू करने से पहले हमने ऐसे कुछ विचारों पर चर्चा की जिनके बारे में वे लिख सकते थे और हर रोज मैंने उन्हें याद दिलाया कि उन्हें लिखना चाहिए।

एक सप्ताह बाद फिर मैंने विद्यार्थियों को चार या पाँच के समूहों में रखा। मैंने उनसे कहा: 'Choose one interesting diary entry and share it with the group.' मैंने उन्हें दस मिनट दिए।

फिर मैंने दस विद्यार्थियों से उनकी डायरियाँ देने को कहा। मैं हर विद्यार्थी की डायरी देखना चाहता हूँ लेकिन यह मेरे लिए कठिन है – मेरे पास 47 विद्यार्थी हैं और पाठ्यपुस्तक के हर दूसरे अध्याय में एक लिखने का अभ्यास है। मेरे पास लिखित काम के 47 नमूनों को इतनी बार पढ़ने और ग्रेड करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है! इसलिए मैं हर बार दस अलग विद्यार्थियों का काम लेता हूँ ताकि मैं हर विद्यार्थी का लिखित काम देख सकूँ।

फिर मैंने दस डायरियों को पढ़ा और इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए प्रश्नों का उपयोग करके मैंने उन्हें फीडबैक दिया।

1. क्या इसे डायरी के रूप में लिखा गया है?
2. क्या यह समझने में स्पष्ट और आसान है?
3. क्या शब्दावली विस्तृत है?
4. क्या इसमें व्याकरण, स्पेलिंग और विराम चिह्नों की गलतियाँ हैं?
5. डायरियों की प्रविष्टियों के बारे में अच्छी बात क्या है?

मैंने प्रत्येक क्षेत्र में कमेन्टस लिखीं और फिर हर प्रश्न के लिए दस में से एक ग्रेड दिया ताकि 50 का योग हो जाए। विद्यार्थियों के लिए उनके सीखने में सुधार करने के लिए फीडबैक का बहुत ज्यादा महत्व होता है। लेकिन मेरे लिए ग्रेड को रिकार्ड करना और जल्दी से अपनी नोटबुक में लिखना आसान था। यहाँ पर वह फीडबैक है जो मैंने एक विद्यार्थी को दी:

1. इसे डायरी के रूप में स्पष्ट तरीके से लिखा गया है। आपने सप्ताह के हर दिन को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया है और हर रोज जो कुछ हुआ उसके बारे में लिखा है तथा अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। आपने हर रोज 50-100 के बीच शब्द लिखे हैं। शाबाश। (10/10)
2. डायरी पढ़ने में स्पष्ट और आसान है लेकिन मैं ठीक ढंग से समझ नहीं पा रहा हूँ कि मंगलवार को क्या हुआ था। क्या आप इसे अधिक स्पष्ट कर सकते हैं? (7/10)
3. आपने काफी शब्दों की अच्छी मात्रा का उपयोग किया है और अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए कुछ अलग-अलग शब्दों का उपयोग किया है। आप 'happy' के लिए कुछ अधिक शब्दों का उपयोग कर सकते थे – उदाहरण के लिए, 'glad', 'pleased' या 'delighted'। अपनी शब्दावली को विकसित करने का प्रयास करें। (6/10)
4. इसमें व्याकरण, स्पेलिंग और विराम चिह्नों की कई गलतियाँ हैं जो सुधार मैंने किए हैं उन्हें देखें और सही स्पेलिंग की समीक्षा करें। आपको simple past tense बनाने के नियमों की समीक्षा भी करनी चाहिए। यदि आपके पास कोई प्रश्न हैं तो मुझसे पूछें। (5/10)
5. आपने कुछ दिलचस्प घटनाओं के बारे में लिखकर और आपको जो महसूस हुआ उसका वर्णन करके इसे पढने वालों के लिए रोचक बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैंने गुरूवार के लिए आपकी डायरी की प्रविष्टी का आनंद लिया। क्या मजेदार कहानी है! (9/10)

संपूर्ण ग्रेड: 37/50 (उत्तम, लेकिन अपनी शब्दावली, व्याकरण और स्पेलिंग पर काम करते रहें।)

जब मैंने दस डायरियों को पढ़कर उन्हें ग्रेड कर लिया, तो मैंने देखा कि अधिकांश विद्यार्थियों को simple past और present perfect tenses का सही उपयोग करने में समस्या हुई थी। तब मैंने निश्चय किया कि मैं डायरियों से कुछ उदाहरणों का उपयोग करके अगली कक्षा में इन tenses की समीक्षा करूँगा। यह स्पष्ट है कि इस कक्षा को अपने अनुभवों के बारे में लिखने में अधिक अभ्यास की जरूरत है।

यह गतिविधि अच्छी तरह से संपन्न हुई और विद्यार्थियों को अपने काम में मार्गदर्शन के लिए प्रश्न और मेरी प्रतिक्रिया अच्छी लगी। इसने उनकी यह जानने में मदद की कि किस बात पर ध्यान देना है। मेरे लिए हर विद्यार्थी को प्रतिक्रिया प्रदान करना कठिन हैं। जब मैं अगली बार यह काम करूँगा तब मैं विद्यार्थियों से एक दूसरे के काम का आकलन करने और एक दूसरे को प्रतिक्रिया देने को कहने का प्रयास कर सकता हूँ।

गतिविधि 5: कक्षा में आजमाएं – अपने विद्यार्थियों के लेखन कौशलों का आकलन

केस स्टडी 3 में, श्री तोमर ने उस लिखित काम का आकलन किया जो उनके विद्यार्थियों ने कक्षा में उनके नियमित अध्यापन के हिस्से के रूप में किया था। उन्होंने डायरी की प्रविष्टियों का आकलन किया लेकिन आप इन्हीं तकनीकों का उपयोग करके किसी भी तरह की लेखन गतिविधि का आकलन कर सकते हैं:

1. अपनी पाठ्यपुस्तक में अगला लेखन अभ्यास खोजें। वैकल्पिक रूप से आप किसी लेखन गतिविधि का सृजन कर सकते हैं जैसे पाठ्यपुस्तक के किसी विषय के बारे में कुछ अनुच्छेद, कोई पत्र, रिपोर्ट, कहानी, या डायरी, जैसा शिक्षक ने केस स्टडी 3 में किया।
2. चार्ट पेपर या ब्लैकबोर्ड पर वे प्रश्न लिखें जिनका उपयोग आप आकलन के लिए करेंगे, ताकि विद्यार्थियों को पता हो कि आप किस बात की ग्रेडिंग करेंगे और लिखते समय किस बारे में सोचना महत्वपूर्ण है। प्रश्नों पर चर्चा करें ताकि विद्यार्थी सजग रहें कि अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए उन्हें क्या करना है। आप उन्हें कुछ उदाहरण दे सकते हैं। शुरू करने के लिए आप इन प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं:
   a. क्या पाठ उपयुक्त है? उदाहरण के लिए, यदि आपने विद्यार्थी से कहानी लिखने को कहा था, तो क्या उसने कहानी लिखी है? या क्या उन्होंने किसी अलग प्रकार का पाठ, जैसे कोई रिपोर्ट, लिखी है?
   b. क्या पाठ स्पष्ट और समझने में आसान है? क्या वह संगठित है और तर्कसंगत रूप से अनुक्रमित है?
   c. क्या शब्दावली काफी विस्तृत है? क्या शब्दों को प्रायः दोहराया गया है?
   d. क्या कोई स्पेलिंग या व्याकरण की गलतियाँ या विराम चिह्न की गलतियाँ हैं?
   e. क्या शैली पाठक के लिए उपयुक्त है?
   f. पाठ के बारे में क्या बात अच्छी है? इसमें दिलचस्प बात क्या है? क्या लेखक ने पाठ को पढ़ने वाले के बारे में सोचा है?
3. जब विद्यार्थी काम पूरा कर लें, तब उनका काम एकत्र करें। यदि आपकी कक्षा बड़ी है तो अपने विद्यार्थियों के एक समूह का काम लें। यदि आप ऐसा करते हैं तो सुनिश्चित करें कि आप हर बार अलग विद्यार्थियों का चुनाव करें। आप विद्यार्थियों से ग्रेड का उपयोग करके एक दूसरे के काम का आकलन करने को भी कह सकते हैं।
4. जब आप उनके काम को ग्रेड करते हैं, तब हर विद्यार्थी के लिए समझने में आसान शब्दों में टिप्पणियाँ शामिल करने का प्रयास करें जिनका उपयोग वे सुधार करने के लिए कर सकते हैं।
5. अपनी नोटबुक में ग्रेडों को रिकार्ड करें।
6. आकलन ने आपके विद्यार्थियों के सीखने के बारे में आपको क्या बताया है? क्या ऐसे कोई क्षेत्र हैं जिनकी दोबारा समीक्षा करने की जरूरत है?

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी साथी शिक्षक के साथ करें।

- क्या प्रश्नों ने आपके विद्यार्थियों के काम को ग्रेड करने में आपकी मदद की?
- यदि नहीं तो आप उनमें परिवर्तन करके उन्हें अधिक उपयोगी कैसे बना सकते हैं?
- क्या विद्यार्थियों को प्रतिक्रिया को समझना और सुधार के लिए उपयोग में लेना आसान लगा?
- क्या आपके विद्यार्थी प्रश्नों का उपयोग करके एक दूसरे के काम का आकलन कर सके?

हो सकता है कि इस गतिविधि में सुझाए गए प्रश्न आपके विद्यार्थियों और लेखन कार्य के लिए पूरी तरह से उपयुक्त नहीं लगें। प्रश्नों के साथ प्रयोग कर सकते हैं और कुछ को छोड़कर और अन्य प्रश्न जोड़कर उन्हें बदल सकते है। हो सके तो अपने साथी शिक्षकों या अपने विद्यार्थियों के साथ उपयुक्त प्रश्नों की चर्चा करें।

सुनिश्चित करें कि आपके विद्यार्थियों को प्रश्न स्पष्ट हैं और कि आपके द्वारा उन्हें दी गई प्रश्नों पर आधारित प्रतिक्रिया सरल और समझने में आसान है। आप इसकी जाँच उन्हें प्रतिक्रिया के आधार पर परिवर्तनों को लागू करने का अवसर देकर और इन परिवर्तनों की जाँच करके कर सकते हैं।

ये प्रश्न विद्यार्थियों द्वारा अपने खुद के काम की समीक्षा या आकलन करने या एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए भी उपयोगी हो सकते हैं। इसलिए, आपके लिए विद्यार्थियों के काम की जाँच करना और उसे ग्रेड करना हमेशा ही आवश्यक नहीं है क्योंकि वे स्वयं अपने और एक दूसरे के काम की जाँच कर सकते हैं। (इस विषय में अधिक जानकारी के लिए, इकाई *समग्र कक्षा लेखन दिनचर्याएं* भी देखें।)

5 सारांश

आकलन शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। यह विद्यार्थी की प्रगति और कमजोरियों को देखने में शिक्षकों की मदद करता है और यह देखने में उनकी मदद कर सकता है कि सीखने में विद्यार्थियों की व्यक्तिगत प्रगति में वे कैसे सहायता और मदद कर सकते हैं। आकलन विद्यार्थियों को अपनी ताकतों और कमजोरियों को समझने में और यह जानने में भी मदद करता है कि सुधार करने के लिए किस बात पर ध्यान देना है।

आकलन में सत्र या स्कूली वर्ष के अंत में परीक्षाओं का शामिल होना जरूरी नहीं है। इसे स्कूली वर्ष के दौरान कक्षा के नियमित अध्यापन के भाग के रूप में किया जा सकता है और आप पाठ्यपुस्तक के नियमित पाठों और अभ्यासों, बोलने की गतिविधियों और लिखित काम का आकलन कर सकते हैं।

जब आप कक्षा की नियमित गतिविधियों का अवलोकन और ग्रेडिंग करते हैं और साथ ही ग्रेडों तथा टिप्पणियों का डायरी में रिकार्ड रखते हैं तो आप अपनी कक्षा के हर विद्यार्थी की प्रगति की समझ पाने लगेंगे। विद्यार्थियों के साथ इसे साझा करने से उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि उन्हें क्या सुधार करने की जरूरत है। अवलोकन आपको यह देखने में भी मदद करेंगे कि आप विद्यार्थियों के कौशलों का विकास करने और भाषा सीखने में उनकी सहायता करने के लिए अपने अध्यापन को कैसे बदल सकते हैं।

यदि आप भाषा सीखने के आकलन के बारे में अधिक पढ़ना चाहते हैं तो अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

संसाधन

संसाधन **1:** बड़ी कक्षाओं में विद्यार्थियों का आकलन करना

तालिका R1.1 कुछ नमूना गतिविधियाँ दर्शाती है जिनका उपयोग आप कक्षा में अपने नियमित अध्यापन के दौरान अंग्रेजी का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। परन्तु इसे बड़ी कक्षाओं के साथ करना कठिन हो सकता है इसलिए यह तालिका कुछ संभव समस्याएं और समाधान प्रस्तुत करती है।

*तालिका **R1.1** बड़ी कक्षा में आकलन के लिए संभव समस्याओं और समाधानों सहित गतिविधियाँ।*

आकलन के लिए गतिविधि	संभव समस्याएं	संभव समाधान
जब विद्यार्थी जोड़ियों में काम करते हैं, जैसे एक दूसरे को वाक्य लिखवाना या भूमिका अभिनय या साक्षात्कार जैसी बोलने की गतिविधि करना, तब शिक्षक सुनता है, देखता है और नोट्स बनाता है उदा. उच्चारण के बारे में।	सभी जोड़ियों को सुनना असंभव है। विद्यार्थी ढेर सारी गलतियाँ करते हैं।	हर बार जब भी जोड़ी में कार्य हो तब कुछ जोड़ियों को सुनें लेकिन हर बार भिन्न विद्यार्थियों को सुनें। हो सके तो नोट्स बनाएं। नोट्स का उपयोग यह समझने के लिए करें कि किसी समस्या हो रही है और किसे नहीं।
पाठ को पढ़ने या कोई नया अध्याय शुरू करने स पहले शिक्षक कक्षा से विषय के बारे में प्रश्न पूछता है उदा. कोई विवाह जिसमें आप गए थे। शिक्षक देखता है कि कौन योगदान करता है और उसके द्वारा प्रयुक्त भाषा नोट करता है।	वही विद्यार्थी हमेशा प्रश्नों का उत्तर देते हैं। किसने क्या कहा है और कही गई हर बात को याद रखना कठिन है।	समान विद्यार्थियों को कक्षा की चर्चा पर हावी न होने दें। हो सके तो नोट्स बनाएं कि कौन नियमित रूप से योगदान करता है और उन विद्यार्थियों से पूछने का ध्यान रखें जिन्होंने हाल के पाठों में योगदान नहीं किया है।
विद्यार्थी पाठ के प्रति कब अनुक्रिया कर रहे हैं, उदा. बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर देना। शिक्षक कक्षा में घूमता है और नोट करता है कि प्रश्नों का उत्तर देने में किसे कठिनाई हो रही है।	कक्षा में बहुत सारे विद्यार्थी हैं और उन सभी को जाँचने के लिए पर्याप्त समय नहीं है।	विद्यार्थियों से अपनी नोटबुकों की अदला-बदली करने और तब उत्तर पढ़कर सुनाने को कहें और विद्यार्थियों से एक दूसरे के काम को ग्रेड करवाएं। समय-समय पर अलग-अलग विद्यार्थियों की नोटबुक लें और ग्रेड नोट करें।
कुछ नई शब्दावली या व्याकरण पढ़ाने के बाद शिक्षक जो कुछ पढ़ाया गया है उसके बारे में एक तत्काल लघु परीक्षा लेता है।	कक्षा के सभी विद्यार्थियों की परीक्षाओं को ग्रेड करना कठिन है।	विद्यार्थियों से अपनी परीक्षाओं की अदला-बदली करने और तब उत्तर पढ़कर सुनाने को कहें और विद्यार्थियों से एक दूसरे की परीक्षाओं को ग्रेड करवाएं। परीक्षा के पेपर लें और ग्रेड नोट करें।
यदि विद्यार्थी कोई शब्दावली लॉगबुक तैयार कर रहे हैं तो शिक्षक जाँच करने और संभव हो तो ग्रेड करने के लिए पुस्तकें लेता है।	सभी विद्यार्थियों की लॉगबुकों की जाँच करना कठिन है।	समय-समय पर, अलग-अलग विद्यार्थियों की लॉगबुकें लें और और उन्हें देखें। स्कूली वर्ष के दौरान हर विद्यार्थी की पुस्तक को देखने का लक्ष्य रखें।
शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा पूरे किए गए प्रॉजेक्ट वर्क को व्यत्तिगत रूप से या समूहों में ग्रेड करता है (उदा. किसी विज्ञापन को डिजाइन करना, कक्षा	सभी विद्यार्थियों के प्रॉजेक्ट वर्क को ग्रेड करना असंभव है।	ऊपर देखें। विद्यार्थी अपने काम का बोझ कम करने के लिए समूहों में प्रॉजेक्ट वर्क कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, विद्यार्थियों से प्रॉजेक्ट वर्क को दीवार पर प्रदर्शित

का अखबार लिखना या टीवी कार्यक्रम का एपिसोड लिखना)।		करने को कहें, और जब आपके पास उसे देखने के लिए समय हो तब ग्रेड करें।
जब विद्यार्थी कोई सुनने की गतिविधि करते हैं (उदा. निर्देशों को सुनना और चित्र बनाना, प्रश्नों का उत्तर देना, किसी पाठ का सारांश लिखना) तब शिक्षक कमरे में घूमता है और देखता है कि किसे कठिनाई हो रही है। शिक्षक पूरे किए गए काम को ग्रेड करने के लिए लेता है।	सभी विद्यार्थियों के काम को जाँचना कठिन है।	हो सके, हर बार जब आप कोई गतिविधि करें तब तो कमरे में घूमें और कुछ अलग विद्यार्थियों का प्रेक्षण करें। जब आपसे संभव हो, तब हर विद्यार्थी की प्रगति को समझने के लिए कुछ नोट्स बनाएं। समय-समय पर अलग-अलग विद्यार्थियों का काम लें और ग्रेड तथा टिप्पणियाँ नोट करें।

संसाधन 2: प्रगति और प्रदर्शन का आकलन

विद्यार्थियों के अधिगम (सीखना) का मूल्यांकन करने के दो उद्देश्य हैं:

- योगात्मक मूल्यांकन पीछे मुड़ कर देखता है और जो पहले से सीखा गया है उसका निर्णय करता है। यह सामान्यतया परीक्षाओं के स्वरूप में आयोजित किया जाता है, जहाँ विद्यार्थियों को परीक्षा में प्रश्नों के प्रति उनकी उपलब्धियों को बताते हुए श्रेणीकृत किया जाता है। इससे परिणामों की रिपोर्टिंग में मदद मिलती है।
- निर्माणात्मक मूल्यांकन (या शिक्षणसीखने हेतु मूल्यांकन) काफ़ी अलग है जो अधिक अनौपचारिक तथा नैदानिक स्वरूप का होता है। शिक्षक उन्हें शिक्षण प्रक्रिया के अंग के रूप में उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए यहाँ यह पता लगाने के लिए प्रश्न पूछने का इस्तेमाल किया जाता है कि क्या विद्यार्थियों ने किसी चीज़ को समझा है या नहीं। इस मूल्यांकन के परिणामों का फिर अगले शिक्षण अनुभव को बदलने के लिए उपयोग किया जाता है। निगरानी और फ़ीडबैक निर्माणात्मक मूल्यांकन का हिस्सा है।

निर्माणात्मक मूल्यांकन अधिगम को बढ़ाता है क्योंकि सीखने के लिए अधिकांश विद्यार्थियों को:

- समझना चाहिए कि उनसे क्या सीखने की उम्मीद की जा रही है
- जानना चाहिए कि अपनी पढ़ाई में वे इस समय किस स्तर पर हैं
- समझना चाहिए कि वे किस प्रकार प्रगति कर सकते हैं (अर्थात क्या पढ़ना चाहिए और कैसे पढ़ना चाहिए)
- जानना चाहिए कि कब उन्होंने लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम हासिल कर लिए हैं।

शिक्षक के रूप में अगर आप प्रत्येक पाठ में उपर्युक्त चार बिंदुओं पर ध्यान देंगे तो आप अपने विद्यार्थियों से सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करेंगे। इस प्रकार पढ़ाने से पहले, पढ़ाते समय और पढ़ाने के बाद मूल्यांकन किया जा सकता है:

- पहले:– पढ़ाने से पहले मूल्यांकन से आपको यह जानने में मदद मिलती है कि विद्यार्थी क्या जानते हैं और पढ़ाने से पहले क्या कर सकते हैं। यह बैसलाइन (आधार-रेखा) निर्धारित करता है और आपको अपनी शिक्षण योजना तैयार करने के लिए प्रारंभिक बिदु देता है। विद्यार्थी क्या जानते हैं इस बारे में अपनी समझ को बढ़ाने से, विद्यार्थियों को जिसमें पहले से ही महारत हासिल है उसे दुबारा पढ़ाने या संभवतः उन्हें जो जानना या समझना है (लेकिन नहीं जानते) उसे छोड़ने के मौक़े कम होंगे।
- पढ़ाते समय:– कक्षा में पढ़ाते समय मूल्यांकन करने में यह देखना शामिल है कि क्या विद्यार्थी सीख रहे हैं और उनमें सुधार हो रहा है। इससे आपको अपनी शिक्षण पद्धति, संसाधनों और गतिविधियों का समायोजन करने में मदद मिलेगी। यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि विद्यार्थी वांछित उद्देश्य की दिशा में किस प्रकार प्रगति कर रहा है और आपका शिक्षण कितना सफल है।
- पढ़ाने के बाद:– शिक्षण के बाद किया जाने वाला मूल्यांकन पुष्टि करता है कि विद्यार्थियों ने क्या सीखा है और आपको दर्शाता है कि किसने सीखा है और किसे अभी मदद की ज़रूरत है। इससे आप अपने शिक्षण लक्ष्य का प्रभावी आकलन कर सकेंगे।

पहले: आपके विद्यार्थी क्या सीखेंगे इस बारे में स्पष्ट रहना

जब आप तय करते हैं कि विद्यार्थियों को पाठ या पाठों की श्रृंखला में क्या सीखना चाहिए, तो आपको उसे उनके साथ साझा करना चाहिए। सावधानी से अंतर करें कि विद्यार्थियों को आप क्या करने के लिए कह रहे हैं, और विद्यार्थियों से क्या सीखने की उम्मीद की जा रही है। ऐसा प्रश्न पूछिये जिससे कि आपको इस बात का आकलन करने का अवसर प्राप्त हो कि क्या उन्होंने वाक़ई समझा है या नहीं। उदाहरण के लिए:

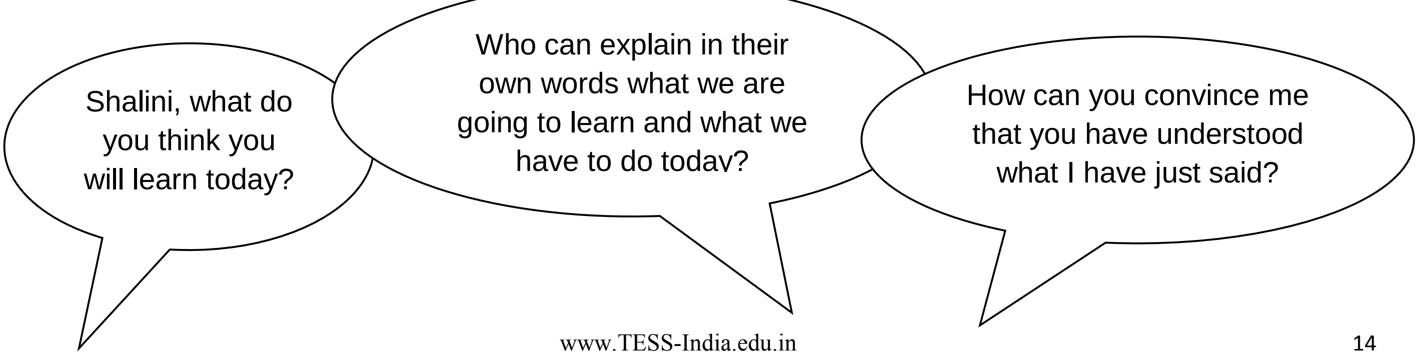

विद्यार्थियों को जवाब देने से पहले सोचने के लिए कुछ सेकंड दें, या शायद विद्यार्थियों को पहले जोड़े या छोटे समूहों में अपने जवाब पर चर्चा करने के कहें। जब वे आपको अपना उत्तर बताएँ, आप जान जाएँगे कि क्या वे समझते हैं कि उन्हें क्या सीखना है।

पहले: जानना कि विद्यार्थी अपने शिक्षण के किस स्तर पर हैं

आपके विद्यार्थियों में सुधार के लिए मदद करने के क्रम में आपको और उन्हें उनके ज्ञान और समझदारी की वर्तमान अवस्था को जानने की ज़रूरत पड़ेगी। जैसे ही आप वांछित शिक्षण परिणामों या लक्ष्यों को साझा कर लें, आप निम्न कर सकते हैं:

- विद्यार्थियों को माइन्डमैप बनाने या उस विषय के बारे में वे पहले से क्या जानते हैं उसे सूचीबद्ध करने के लिए जोड़े में कार्य करने के लिए कहें, उन्हें उसे पूरा करने के लिए पर्याप्त समय दें। लेकिन बहुत ज़्यादा समय नहीं देना चाहिए। उसके बाद आप उन माइन्डमैप या सूचियों की समीक्षा करें।
- महत्वपूर्ण शब्दावली को बोर्ड पर लिखें और प्रत्येक शब्द के बारे में वे क्या जानते हैं, यह बताने के लिए स्वेच्छा से उन्हें आगे आने के लिए कहें। फिर बाक़ी कक्षा से कहें कि यदि वे शब्द समझते हैं। तो अपना अंगूठा थम्स्-अप की मुद्रा में ऊपर उठाएँ, यदि वे बहुत कम जानते हैं या बिल्कुल नहीं जानते हैं, तो थम्स्-डाउन की मुद्रा में नीचे करें और यदि वे योग जानते हैं तो अंगूठे को क्षैतिज यानी बीच में रखें।

कहाँ से शुरुआत करनी है यह जानने का मतलब है कि आप विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक और रचनात्मक रूप से पाठ की योजना बना सकते हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी यह मूल्यांकन करने में सक्षम हों कि वे कितनी अच्छी तरह सीख रहे हैं ताकि आप और वे दोनों जान सकें कि उन्हें आगे क्या सीखने की ज़रूरत है। आपके विद्यार्थियों को स्वयं अपने शिक्षण का भार उठाने का अवसर प्रदान करने से उन्हें आजीवन शिक्षार्थी बनाने में मदद मिलेगी।

पढ़ाते समय: शिक्षा में विद्यार्थियों की प्रगति सुनिश्चित करना

जब आप विद्यार्थियों से उनकी वर्तमान प्रगति के बारे में बात करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि उन्हें आपका फीडबैक उपयोगी और रचनात्मक, दोनों लगे। निम्नांकित के द्वारा इस काम को करें:

- विद्यार्थियों को उनकी ताक़त और यह जानने में मदद करना कि वे कैसे और सुधार कर सकते हैं
- इस बारे में स्पष्ट रहना कि आगे और किस चीज़ के विकास की ज़रूरत है
- इस बारे में सकारात्मक रहना कि वे किस प्रकार अपनी शिक्षा का विकास कर सकते हैं, जाँचना कि वे समझते हैं और आपकी सलाह का उपयोग करने में सक्षम महसूस करते हैं।

विद्यार्थियों के लिए उनके अधिगम को बेहतर बनाने के लिए अवसर मुहैया कराने की ज़रूरत पड़ेगी। इसका अर्थ यह हुआ कि अधिगम (सीखने) के मामले में विद्यार्थियों के वर्तमान स्तर और जहाँ आप उन्हें देखना चाहते हैं इसके बीच के अंतराल को पाटने के लिए हो सकता है कि आपको अपनी पाठ योजना को संशोधित करना पड़े। ऐसा करने के लिए आपको ऐसा कुछ करना होगा:

- कुछ ऐसे कार्य पर वापस नज़र दौड़ाना होगा जिनके बारे में आपने सोचा था कि वे पहले से जानते हैं
- आवश्यकता के अनुसार विद्यार्थियों के समूह बनाना, उन्हें अलग-अलग कार्य देना
- विद्यार्थियों को स्वयं यह निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना कि उन्हें किन संसाधनों को पढ़ने की ज़रूरत है ताकि वे 'स्वयं अपना अंतराल पाट सकें'
- 'निम्न प्रवेश, ऊँची सीमा' वाले कार्यों का उपयोग करना, ताकि सभी विद्यार्थी प्रगति कर सकें - इन्हें इसलिए अभिकल्पित किया गया है कि सभी विद्यार्थी काम शुरू कर सकें लेकिन अधिक समर्थ को प्रतिबंधित न किया जाए और वे अपने ज्ञान के विस्तार के लिए प्रगति कर सकें।

पाठों की रफ्तार को धीमा करके अक्सर आप पढ़ाई को तेज़ करते हैं क्योंकि आप विद्यार्थियों को उस पर सोचने और समझने का समय और आत्मविश्वास देते हैं, जिसमें उन्हें सुधार लाने की ज़रूरत होती है। विद्यार्थियों को आपस में अपने काम के बारे में बात करने का मौक़ा देकर, और इस बात पर चिंतन करके कि अंतराल कहाँ पर है और वे इसे किस प्रकार से ख़त्म कर सकते हैं, आप उन्हें स्वयं का आकलन करने के तरीक़े मुहैया करा रहे हैं।

पढ़ाने के बाद: प्रमाण एकत्रित करना और उसकी व्याख्या करना, और आगे की योजना बनाना

जब पढ़ाना-सिखना चल रहा हो और कक्षा-कार्य और गृह-कार्य निर्धारित करने के बाद ज़रूरी है कि:

- इस बात का पता लगाएँ कि आपके विद्यार्थी कितनी अच्छी तरह कार्य कर रहे हैं
- इसे अगले पाठ के लिए अपनी योजना सूचित करने के लिए उपयोग में लाएँ
- विद्यार्थियों को प्रतिक्रिया दें।

मूल्यांकन की चार प्रमुख स्थितियों की नीचे चर्चा की गई है।

सूचना या प्रमाण एकत्रित करना

प्रत्येक विद्यार्थी स्वयं अपनी गति और शैली में स्कूल के अंदर और बाहर अलग प्रकार से सीखता है। इसलिए विद्यार्थियों का मूल्यांकन करते समय आपको दो चीज़ें करनी होंगी:

- विविध सूत्रों से जानकारी एकत्रित करें - स्वयं अपने अनुभव से, छात्र, अन्य छात्रों, अन्य शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों से।
- विद्यार्थियों का व्यक्तिगत रूप से, जोड़ों में और समूहों में मूल्यांकन करें, तथा स्व-मूल्यांकन को बढ़ावा दें। अलग विधियों का प्रयोग महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोई एक पद्धति आपके वह सभी जानकारी उपलब्ध नहीं कराती, जिसकी आपको ज़रूरत है। विद्यार्थियों के सीखने और प्रगति के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के विभिन्न तरीक़ों में शामिल हैं, देखना, सुनना, विषयों और प्रकरणों पर चर्चा, तथा लिखित वर्ग और गृह-कार्य की समीक्षा करना।

अभिलेखन

भारत भर के सभी स्कूलों में रिकॉर्डिंग का सबसे आम स्वरूप रिपोर्ट कार्ड के उपयोग के माध्यम से होता है, लेकिन इसमें आपको एक विद्यार्थी के सीखने या व्यवहार के सभी पहलुओं को रिकॉर्ड करने की गुंजाइश नहीं होती है। इस काम को करने के कुछ सरल तरीक़े हैं जिन पर भी आप विचार कर सकते हैं। जैसे कि:

- शिक्षण–अधिगम समय जो आप देखते हैं उसे डायरी/नोटबुक/रजिस्टर में नोट करना
- विद्यार्थियों के कार्य के नमूने (लिखित, कला, शिल्प, परियोजनाएँ, कविताएँ आदि) पोर्टफ़ोलियो में रखना
- प्रत्येक विद्यार्थी का प्रोफ़ाइल तैयार करना
- विद्यार्थियों की किन्हीं असामान्य घटनाओं, परिवर्तनों, समस्याओं, शक्तियों और शिक्षण प्रमाणों को नोट करना।

प्रमाण की व्याख्या

जैसे ही सूचना और प्रमाण एकत्रित और अभिलिखित हो जाए उसकी व्याख्या करना ज़रूरी है ताकि यह समझ सकें कि प्रत्येक विद्यार्थी किस प्रकार सीख रहा है और प्रगति कर रहा है। इस पर सावधानी से विचार करने और विश्लेषण की आवश्यकता है। फिर आपको शिक्षण में सुधार करने संभवतः विद्यार्थियों को फ़ीडबैक देकर या नए संसाधनों की खोज करके समूहों को पुनर्व्यवस्थित करके, या शिक्षण बिंदु को दोहरा कर अपने निष्कर्षों पर कार्य करने की आवश्यकता है।

सुधार के लिए योजना बनाना

मूल्यांकन, विशिष्ट और विभेदक शिक्षण गतिविधियों की स्थापना द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी को सार्थक रूप से सीखने के अवसर प्रदान करने अधिक मदद के ज़रूरतमंद विद्यार्थियों पर ध्यान देने और अधिक उन्नत विद्यार्थियों को चुनौती देते हुए सार्थक शिक्षण अवसर उपलब्ध कराने में आपकी मदद कर सकते हैं।

संसाधन 3: एन फ्रैंक की डायरी से

The text in this resource is taken from Chapter 4 of the NCERT Class X textbook *First Flight*. It discusses an extract from Anne Frank's diary,

Thinking about the text

1. Was Anne right when she said that the world would not be interested in the musings of a thirteen-year-old girl?
2. There are some examples of diary or journal entries in the 'Before You Read' section. Compare these with what Anne writes in her diary. What language was the diary originally written in? In what way is Anne's diary different?
3. Why does Anne need to give a brief sketch about her family? Does she treat 'Kitty' as an insider or an outsider?
4. How does Anne feel about her father, her grandmother, Mrs Kuperus and Mr Keesing? What do these tell you about her?
5. What does Anne write in her first essay?
6. Anne says teachers are most unpredictable. Is Mr Keesing unpredictable? How?
7. What do these statements tell you about Anne Frank as a person?

i. ‘We don’t seem to be able to get any closer, and that’s the problem. Maybe it’s my fault that we don’t confide in each other.’
ii. ‘I don’t want to jot down the facts in this diary the way most people would, but I want the diary to be my friend.’
iii. ‘Margot went to Holland in December, and I followed in February, when I was plunked down on the table as a birthday present for Margot.’
iv. ‘If you ask me, there are so many dummies that about a quarter of the class should be kept back, but teachers are the most unpredictable creatures on earth.’
v. ‘Anyone could ramble on and leave big spaces between the words, but the trick was to come up with convincing arguments to prove the necessity of talking.’

Thinking about language

I. Look at the following words.

headmistress long-awaited homework notebook stiff-backed outbursts

These words are compound words. They are made up of two or more words. Compound words can be:

- nouns: ‘headmistress’, ‘homework’, ‘notebook’, ‘outbursts’
- adjectives: ‘long-awaited’, ‘stiff-backed’
- verbs: ‘sleep-walk’, ‘baby-sit’.

Match the compound words under ‘A’ with their meanings under ‘B’.

Use each in a sentence.

A	B
Heartbreaking	Obeying and respecting the law
Homesick	Think about pleasant things, forgetting about the present
Blockhead	Something produced by a person, machine or organisation
Law-abiding	Producing great sadness
Overdo	An occasion when vehicles/machines stop working
Daydream	An informal word which means a very stupid person
Breakdown	Missing home and family very much
Output	Do something to an excessive degree

II. Phrasal verbs

A phrasal verb is a verb followed by a preposition or an adverb. Its meaning is often different from the meanings of its parts. Compare the meanings of the verbs get on and run away in (a) and (b) below. You can easily guess their meanings in (a) but in (b) they have special meanings.

a. She got on at Agra when the bus stopped for breakfast.
   Dev Anand ran away from home when he was a teenager.
b. She’s eager to get on in life. (succeed)
   The visitors ran away with the match. (won easily)

Some phrasal verbs have three parts: a verb followed by an adverb and a preposition.

c. Our car ran out of petrol just outside the city limits.
d. The government wants to reach out to the people with this new campaign.

1. The text you've just read has a number of phrasal verbs commonly used in English. Look up the following in a dictionary for their meanings (under the entry for the italicised word).
   i. plunge (right) in
   ii. kept back
   iii. ramble on
   iv. get along with
2. Now find the sentences in the lesson that have the phrasal verbs given below. Match them with their meanings. (You have already found out the meanings of some of them.) Are their meanings the same as that of their parts? (Note that two parts of a phrasal verb may occur separated in the text.)
   i. plunge in – speak or write without focus
   ii. kept back – stay indoors
   iii. move up – make (them) remain quiet
   iv. ramble on – have a good relationship with
   v. get along with – give an assignment (homework) to a person in authority (the teacher)
   vi. calm down – compensate
   vii. stay in – go straight to the topic
   viii. make up for – go to the next grade
   ix. hand in – not promoted

संसाधन 4: मॉनीटरिंग और फीडबैक देना

विद्यार्थियों के कार्यप्रदर्शन में सुधार करने में लगातार निगरानी करना और उन्हें प्रतिक्रिया देना शामिल होता है ताकि उन्हें पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है और उन्हें कामों का पूरा करने पर प्रतिक्रिया प्राप्त हो। आपकी रचनात्मक प्रतिक्रिया के माध्यम से वे अपने कार्यप्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

निगरानी करना

प्रभावी शिक्षक अधिकांश समय अपने विद्यार्थियों की निगरानी करते हैं। सामान्य तौर पर अधिकांश शिक्षक अपने विद्यार्थियों के काम की निगरानी वे कक्षा में जो कुछ करते हैं उसे सुनकर और देखकर करते हैं। विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी करना महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इससे उन्हें निम्नलिखित में मदद मिलती है:

- अधिक ऊँचे ग्रेड प्राप्त करना
- अपने कार्यप्रदर्शन के बारे में अधिक सजग रहना और अपनी सीखने की प्रक्रिया के प्रति अधिक जिम्मेदार होना
- अपनी सीखने की प्रक्रिया में सुधार करना
- प्रादेशिक और स्थानीय मानकीकृत परीक्षाओं में उपलब्धि का पूर्वानुमान करना।

इससे आपको एक शिक्षक के रूप में निम्नलिखित तै करने में भी मदद मिलती है:

- कब प्रश्न पूछें या प्रोत्साहित करें
- कब प्रशंसा करें
- चुनौती दें या नहीं
- एक काम में विद्यार्थियों के अलग अलग समूहों को कैसे शामिल करें
- गलतियो के विषय में क्या करें।

विद्यार्थी सबसे अधिक सुधार तब करते हैं जब उन्हें उनकी प्रगति के बारे में स्पष्ट और त्वरित प्रतिक्रिया दी जाती है। निगरानी करने का उपयोग करना आपको विद्यार्थियों को बताने कि वे कैसे काम कर रहे हैं और उनके सीखने की प्रकिया को उन्नत करने में उन्हें किस अन्य चीज की जरूरत है इस बारे में नियमित प्रतिक्रिया देने में सक्षम करेगा।

आपके सामने आने वाली चुनौतियों में से एक होगी अपने विद्यार्थियों की उनके स्वयं के सीखने के लक्ष्यों को तय करने में मदद करना जिसे स्व-निगरानी भी कहा जाता है। विद्यार्थी विशेष तौर पर कठिनाई अनुभव करने वाले विद्यार्थी अपनी स्वयं की सीखने की प्रक्रिया का बोझ उठाने के आदी नहीं होते हैं। लेकिन आप किसी परियोजना के लिए अपने स्वयं के लक्ष्य या उद्देश्य तय करने, अपने काम की योजना बनाने और समय सीमाएं तय करने, और अपनी प्रगति की स्व-निगरानी करने में किसी भी विद्यार्थी की मदद कर सकते हैं। स्व-निगरानी के कौशल की प्रक्रिया का अभ्यास और उसमें महारत हासिल करना उनके लिए विद्यालय और उनके सारे जीवन में उपयोगी साबित होगा।

विद्यार्थियों की बात सुनना और अवलोकन करना

अधिकांश समय शिक्षक स्वाभाविक रूप से विद्यार्थियों की बात सुनते और उनका अवलोकन करते हैं; यह निगरानी करने का एक सरल साधन है। उदाहरण के लिए, आप:

- अपने विद्यार्थियों को ऊँची आवाज में पढ़ते समय सुन सकते हैं
- जोड़ियों या समूहकार्य में चर्चाएं सुन सकते हैं
- विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर या कक्षा में संसाधनों का उपयोग करते देख सकते हैं
- समूहों के काम काम करते समय उनकी शारीरिक भाषा का अवलोकन कर सकते हैं।

सुनिश्चित करें कि आप जो विचार एकत्रित करते हैं वे विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया या प्रगति का सच्चा प्रमाण हो। सिर्फ वही बात रिकार्ड करें जो आप देख सकते हैं, सुन सकते हैं, उचित सिद्ध कर सकते हैं या जिस पर आप विश्वास कर सकते हैं।

जब विद्यार्थी काम करें तब कमरे में घूमें और संक्षिप्त अवलोकन नोट्स बनाएं। आप कक्षा सूची का उपयोग करके दर्ज कर सकते हैं कि किन विद्यार्थियों को अधिक मदद की जरूरत है और किसी भी उभरती गलतफहमी को भी नोट कर सकते हैं। इन अवलोकनो और नोट्स का उपयोग आप सारी कक्षा को प्रतिक्रिया देने या समूहों अथवा व्यक्ति विशेष को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए कर सकते हैं।

प्रतिक्रिया देना

प्रतिक्रिया वह जानकारी होती है जो आप किसी विद्यार्थी को यह बताने के लिए देते हैं कि उन्होंने किसी घोषित लक्ष्य या अपेक्षित परिणाम के संबंध में कैसा कार्य किया है। प्रभावी प्रतिक्रिया विद्यार्थी को:

- जानकारी देती है कि क्या हुआ है
- इस बात का मूल्यांकन देती है कि कोई कार्यवाही या काम कितनी अच्छी तरह से किया गया
- मार्गदर्शन देती है कि कार्यप्रदर्शन को कैसे सुधारा जा सकता है।

जब आप हर विद्यार्थी को प्रतिक्रिया देते हैं तब उसे यह जानने में उनकी मदद करनी चाहिए कि:

- वे वास्तव में क्या कर सकते हैं
- वे अभी क्या नहीं कर सकते हैं
- उनका काम अन्य लोगों की तुलना में कैसा है
- वे कैसे सुधार कर सकते हैं।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि प्रभावी प्रतिक्रिया विद्यार्थियों की मदद करती है। आप नहीं चाहते कि आपकी प्रतिक्रिया के अस्पष्ट या अन्यायपूर्ण होने के कारण सीखने की प्रक्रिया में कोई रूकावट आए। प्रभावी प्रतिक्रिया:

- हाथ में लिए गए काम और विद्यार्थी द्वारा सीखी जा रही बात पर संकेंद्रित होती है
- स्पष्ट और ईमानदार होती है और विद्यार्थी को बताती है कि उसके सीखने की प्रक्रिया के बारे में क्या अच्छी बात है और उसे कहाँ सुधार करना चाहिए
- कार्यवाही के योग्य होती है और विद्यार्थी को ऐसा कुछ करने को कहती है जिसे करने में वे सक्षम होते हैं
- विद्यार्थी के समझ सकने योग्य उपयुक्त भाषा में दी जाती है
- सही समय पर दी जाती है – यदि वह बहुत जल्दी दी गई तो विद्यार्थी सोचेगा 'मैं यही तो करने जा रहा था!'; बहुत देर से दी गई तो विद्यार्थी का ध्यान और कहीं चला जाएगा और वह वापस लौटकर वह नहीं करना चाहेगा जिसके लिए उसे कहा गया है।

प्रतिक्रिया चाहे बोली जाए या विद्यार्थियों की वर्कबुकों में लिखी जाए वह तभी अधिक प्रभावी होती है यदि वह नीचे दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करती है।

प्रशंसा और सकारात्मक भाषा का उपयोग करना

जब हमारी प्रशंसा की जाती है और हमें प्रोत्साहित किया जाता है तो आमतौर पर हम उस समय के मुकाबले काफी अधिक बेहतर महसूस करते हैं, जबकि हमारी आलोचना की जाती है या हमारी गलती सुधारी जाती है। सुदृढ़ीकरण और सकारात्मक भाषा समूची कक्षा और सभी उम्र के व्यक्तियों के

लिए प्रेरणादायक होती है। याद रखें कि प्रशंसा को विशिष्ट और स्वयं विद्यार्थी की बजाय किए गए काम पर लक्षयित होना चाहिए अन्यथा वह विद्यार्थी की प्रगति में मदद नहीं करेगी। 'शाबाश' कहने से कुछ ठोस बात पता नही चलती, इसलिए निम्नलिखित में से कोई बात कहना बेहतर होगा:

संकेत देने के साथ-साथ सुधार का उपयोग करना

अपने विद्यार्थियों के साथ आप जो बातचीत करते हैं वह उनके सीखने की प्रक्रिया में मदद करती है। यदि आप उन्हें बताते हैं कि उनका उत्तर गलत है और संवाद को वहीं समाप्त कर देते हैं तो आप सोचने और स्वयं प्रयास करने में उनकी मदद करने का अवसर खो देते हैं। यदि आप विद्यार्थियों को संकेत देते हैं या आगे कोई प्रश्न पूछते हैं तो आप उन्हें अधिक गहराई से सोचने को प्रेरित करते हैं और उत्तर खोजने तथा अपने स्वयं के सीखने का दायित्व लेने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हैं। उदाहरण के लिए आप बेहतर उत्तर के लिए प्रोत्साहित या किसी समस्या पर किसी अलग दृष्टिकोण को प्रेरित करने के लिए निम्नलिखित जैसी बातें कह सकते हैं:

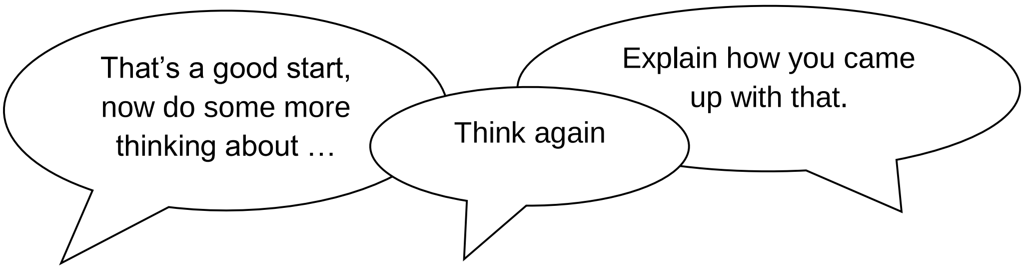

दूसरे विद्यार्थियों को एक दूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना उपयुक्त हो सकता है। आप यह काम निम्नलिखित जैसी टिप्पणियों के साथ शेष कक्षा के लिए अपने प्रश्नों को प्रस्तुत करके कर सकते हैं:

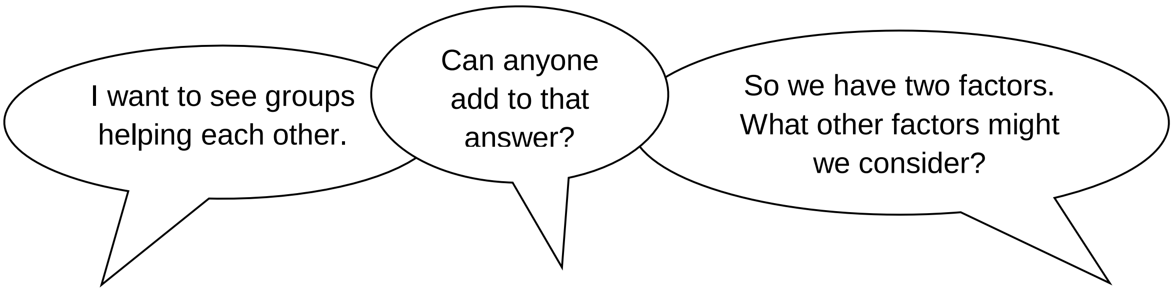

विद्यार्थियों को हां या नहीं के साथ सुधारना स्पेलिंग या संख्या के अभ्यास की तरह के कामों के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन यहां पर भी आप विद्यार्थियों को उभरते प्रतिमानों पर नजर डालने या समान उत्तरों से संबंध बनाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं या चर्चा शुरू कर सकते हैं कि कोई उत्तर गलत क्यों है।

स्वयं सुधार करना और समकक्षों से सुधार करवाना प्रभावी होता है और आप इसे विद्यार्थियों से दिए गए कामों को जोड़ियों में करते समय स्वयं अपने और एक दूसरे के काम की जाँच करने को कहकर प्रोत्साहित कर सकते हैं। एक समय में एक पहलू को सही करने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अच्छा होता है ताकि विभ्रम में डालने वाली ढेर सारी जानकारी न हो।

संसाधन 5: विद्यार्थियों के पढ़ने और सुनने के कौशलों का आकलन करना

तालिका ***R5.1*** *विद्यार्थियों के सुनने और पढ़ने के कौशलों का आकलन करने की योजना बनाने के लिए एक भरा गया फार्म (देखें गतिविधि 2/तालिका 3) ।*

कक्षा और अध्याय	Class X. Chapter 8: Mijbil the Otter (NCERT Class X textbook: *First Flight*)

सप्ताह	गतिविधि	मैं इस गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों का आकलन किन तरीकों से करूँगा?	एक प्रतिक्रिया के रूप में मैं अपने अध्यापन को कैसे संशोधित करूँगा?
1	विद्यार्थी किताबें बंद रखकर पहला पाठ सुनते हैं। वे पालतू जानवर रखते समय विचारणीय महत्वपूर्ण बातों के नोट्स बनाते हैं। वे अपने नोट्स पर जोड़ियों में चर्चा करते हैं।	ऊँची आवाज में पढ़ते समय कमरे में घूमें और कुछ विद्यार्थियों को नोट्स बनाते और चर्चा करते समय देखें। डायरी में अवलोकन के बारे में नोट्स दर्ज करें। यदि विद्यार्थियों को यह कठिन लगता है, तो पाठ को दो या तीन बार फिर से पढ़ें।	कई विद्यार्थियों को पाठ के कुछ शब्द कठिन लगे। इनकी समीक्षा करें। इन शब्दों को बोर्ड पर लिखें और विद्यार्थियों से शब्दों का उपयोग करते हुए उनके अपने वाक्य लिखने को कहें।
2	विद्यार्थी कहानी का भाग 2 चुप रहकर पढ़ते हैं। वे तीन के समूहों में बोध प्रश्नों पर चर्चा करते हैं और उनका उत्तर देते हैं।	जब विद्यार्थी संबंधी प्रश्नों पर चर्चा करें और उनका उत्तर दें तब कमरे में चहलकदमी करें। कुछ विद्यार्थियों के काम को वहीं पर ग्रेड करें, और उन्हें उसके बारे में प्रतिक्रिया दें। ग्रेडों और अवलोकन के बारे में नोट्स डायरी में दर्ज करें।	विद्यार्थियों को कहानी का अच्छा ज्ञान है और वे पाठ में सही उत्तर खोज सके। कईयों को उनके अपने शब्दों में चीजें लिखने में समस्या हुई। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए अधिक स्वतंत्र लेखन गतिविधियाँ आजमाएं।
3	विद्यार्थी कहानी का भाग 3 चुप रहकर पढ़ते हैं। वे अपनी घर की भाषा में व्यक्तिगत रूप से सारांश लिखते हैं। गद्यांश पर बाद में पूरी कक्षा के रूप में चर्चा करें।	कई विद्यार्थियों से लिखित सारांश देने को कहें। विद्यार्थियों की कहानी की समझ के अनुसार सारांशों को ग्रेड करें। ग्रेडों को डायरी में दर्ज करें।	अधिकांश विद्यार्थियों ने पाठ को नहीं समझा। अगली कक्षा के लिए कोई अधिक आसान पाठ चुनें – ऐसा कोई जो उनके लिए अधिक दिलचस्प हो सकता है।
4	श्रुतलेख। विद्यार्थी कहानी का एक अनुच्छेद सुनते हैं और उसका सारांश बनाते हैं।	विद्यार्थी नोटबुकों की अदला-बदली करते हैं और कहानी के मूल अनुच्छेद का उपयोग करते हुए एक दूसरे के श्रुतलेखों को सही करते और ग्रेड देते हैं। जब विद्यार्थी ग्रेड दें, तब आसपास घूमें और कुछ ग्रेड देखें (या कुछ नोटबुकें एकत्र करें) और डायरी में ग्रेड नोट करें।	विद्यार्थियों को इस गतिविधि में मज़ा आया। तथापि, उन्होंने व्याकरण और विराम चिह्नों पर बहुत अधिक ध्यान दिया। मैं चाहती हूँ कि वे एक दूसरे की बात को समझने पर अधिक ध्यान दें। गतिविधि को दोहराएं और उनसेमतलब पर ध्यान देने को कहें।

अतिरिक्त संसाधन

- The Central Board of Secondary Education’s guide to CCE (continuous and comprehensive evaluation): http://www.cbse.nic.in/cce/index.html
- A discussion about assessment: http://www.teachingenglish.org.uk/article/assessment
- Ongoing assessment: http://www.teachingenglish.org.uk/article/ongoing-assessment-fun-not-fear

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Coombe, C., Folse, K. and Hubley, N. (2007) *A Practical Guide to Assessing English Language Learners*. Ann Arbor, MI: The University of Michigan Press.

National Council of Educational Research and Training (2005) *National Curriculum Framework*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/rightside/links/pdf/framework/english/nf2005.pdf (accessed 25 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006) *First Flight: Textbook in English for Class X*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 13 October 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।